Home Assignment
B.A.LL.B. VIII[th] & LL.B. IV[th] Semester
Paper: Law of Crimes II (Criminal Procedure Code)

प्र01. दण्ड प्रकिया संहिता 1973 के अन्तर्गत विभिन्न वर्गो के कौन–कौन से दण्ड न्यायालय हैं? दण्ड न्यायालय की शक्तियों का संहिता के अन्तर्गत सुसंगत धाराओं की सहायता से उल्लेख कीजिए?

प्र02. कब एक मजिस्ट्रेट किसी अपराधी का संज्ञान ले सकता हैं? एक परिवाद के सम्बंध में संज्ञान लेने की क्या प्रक्रिया हैं?

प्र03. प्रथम सूचना रिर्पोट क्या है? व्याख्या कीजिए? प्रथम सूचना रिर्पोट देरी सें दर्ज कराने पर क्या प्रभाव होता हैं?एवं प्रथम सूचना रिर्पोटका साक्ष्यिक मूल्य बताइए।

प्र04. उन परिस्थितियों का उल्लेख कीजिए जिनमे एक पुलिस अधिकारी किसी व्यक्ति को वारन्ट के बिना गिरफतार कर सकता है? गिरफतार व्यक्ति के क्या अधिकार हैं?

प्र05. दण्ड प्रकिया संहिता 1973 के अन्तर्गत पत्नी के भरण पोषण सम्बन्धी अधिकारों की व्याख्या कीजिए। क्या मुस्लिम महिला धारा 125 Cr.P.C. के अन्तर्गत भरण पोषण प्राप्त कर सकती हैं?

प्र06. लेख लिखे

संक्षिप्त विचारण	पुनर्विलोकन
सौदा अभिवाक	पुनरीक्षण
अपील	निर्देश

प्र07. निम्नलिखित के बीच अन्तर बताइये

1– संज्ञेय और असंज्ञेय अपराध

2– जमानतीय और अज़मानतीय

3– उन्मोचन और दोषमुक्ति

4– जांच और अन्वेषण

5– प्रथम सूचना रिपोर्ट और परिवाद

प्र08. परिवाद क्या है? मजिस्ट्रेट से परिवाद और उसकी प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

प्र09. आपराधिक विचारण व उसका उददेश्य क्या है? सत्र विचारण व सम्मन विचरण समझाइये।

प्र010. ज़मानत किसे कहते है? कब और किन परिस्थितियों में अज़मानतीय अपराध में न्यायालय ज़मानत मंज़ूर कर सकता है सम्बन्धित प्रावधानों एवं महत्वपूर्ण केस लॉ के माध्यम् से उल्लेख कीजिए।

प्र011. आरोप क्या है? इसके अन्र्तवस्तु का उल्लेख करें कब और किन परिस्थितियों में एक से अधिक अपराधों का संयुक्त रूप से आरोप लगाया जा सकता है एवं उसका विचारण किया जा सकता है? क्या आरोप को परिवर्तित (अल्टर) किया जा सकता है? (अल्टर) के पश्चात गवाह ;साक्षीद्ध को बुलाना आवश्यक है?

प्र012. अपील क्या हैं? राज्य सरकार कब दण्डादेश में वृद्धि के लिए अपील फाइल कर सकती हैं? एवं अपीलीय न्यायालय की शक्तियों का उल्लेख कीजिए।

Home Assignment

B.A.LL.B. VIII[th] & LL.B. IV[th] Semester

Subject: C.P.C. & Limitalion

Note: Attempt any five questions. **Question no. 8 is compulsory.**

Q1. Discuss the suit of civil Nature with reference to the C.P.C. and also give example of suit of this kind referring to decided cases.

प्र01. व्यवहार प्रकृति के वादों की विवेचना कीजिए और निर्णीत वादों की सहायता से समझाइए

Q2. In what circumstances can a court may adjourn any civil suit? Referring to the relevant provision, also throw light on the object of the "res-sub judice"

प्र02. किन परिस्थितियों में किसी वाद में न्यायालय सुनवाई स्थगित कर सकता है? सम्बन्धित प्रावधान का उल्लेख करते हुए। 'विचाराधीन न्याय' के उददेश्य पर प्रकाश डालिये।

Q3. What do you understand by the principle of Resjudicata? What are ingredients of this principle, and what is its object?

प्र03. प्रांगन्याय के सिद्धान्त से आप क्या समझते है? यह सिद्धान्त किन परिस्थितियों में लागू होता है और इसके क्या उददेश्य है?

Q4. In which court or what place should any suit be instituted?

प्र04. कोई वाद किस न्यायालय में या किस स्थान पर दायर किया जाना चाहिए?

Q5. What Persons have been recognized by this code to bring pauper suit? What procedure is followed by the court to inquire in to the pauperism of plaintiff?

प्र05. किन व्यक्तियों को अंकिचन वाद लाने के लिए इस संहिता द्वारा मान्य किया है? वादी की अकिंचन (निर्धनता) की जांच करने के लिए न्यायालय द्वारा किस प्रकिया का अनुसरण किया जाता है?

Q6. What properties can be attached and sold in execution of decree and what properties have been exempted from such attachment and sale, under this code?

प्र06. इस संहिता के अधीन किन–किन सम्पत्तियों की कुर्की और बिक्रय किसी डिक्री के निष्पादन में किया जा सकता है और किन सम्पत्तियों की ऐसी कुर्की और बिक्रय से मुक्त किया गया है।

Q7. Discuss the inherent powers of the Court.

प्र07. न्यायालय की अन्तर्निहित शक्तियों की विवेचना कीजिए।

Q8.a. What is legal disability? Discuss the concession of limitation which a person affected by such legal disability gets such disability removed.

प्र08.क. विधिक निर्योग्यता क्या है? ऐसी किसी विधिक निर्योग्यता से प्रभावित व्यक्ति को ऐसी निर्योग्यता के दूर होने पर मियाद में से छूट मिलती है उसकी विवेचना की जाए।

Q8.b. What is the effect of the acknowledgment on limitation? State the condition of a valid acknowledgment.

प्र08.ख. परिसीमा पर लेखबद्ध अभिस्वीकृति का क्या प्रभाव है? अस्विकृति की शर्ते भी लिखिए।

Q8.c. Explain the sufficient causes under limitation Act under which prescribed time period can extended

प्र08.ग. मर्यादा अधिनियम के अधीन उन पर्याप्त कारणों का वर्णन कीजिए। जिनके अधीन वर्णित समय अवधि बढ़ाई जा सकती है।

Q8.d. "The limitation bar the remedy but does not extinguish the right" Explain with exceptions.

प्र08.घ. ''मर्यादा विधि केवल उपचार को वर्जित करती है अधिकार को नही'' इस समान्य नियम की व्याख्या अपवाद सहित कीजिए।

9– अन्तर

क– 1– अपील और पुनर्विलोकन | 2– पुनर्विलोकन और निर्देश

3– पुनर्विलोकन और पुनरीक्षण | 4– पुनरीक्षण और निर्देश

ख– टिप्पणी

5– कैवियट सावधानी की सूचना | 6– प्रत्यास्थापना

7– अस्थायी व्यादेश | 8– अन्तर्वती आदेश

9– निर्णय से पूर्व गिरफतारी | 10– अपीलीय न्यायालय की शक्तियॉ

Home Assignment

B.A.LL.B. VIII[th] & LL.B. IV[th] Semester

Paper - Labour Law

Note : Attempt any five question

प्र01. 'मात्र दुर्घटना ही किसी कर्मकार को प्रतिकार पाने का हकदार नही बना देती, वरन् दुर्घटना नियोजन से और नियोजन के अनुक्रम में उत्पन्न होना आवश्यक।' कर्मकार प्रतिकार अधिनियम 1923 के अन्तर्गत नियोजक के दायित्व की विवेचना कीजिए।

Q1. 'An accident alone does not entitle a workman to claim compensation accident must arise out of and in the course of Employment'. Discuss the liability of employer under the workman's compensation act, 1923.

प्र02. कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 के अन्तर्गत कर्मचारियों को प्राप्त विभिन्न लाभों की विवेचना कीजिए। क्या लाभ के दावेदार को बीमशुदा होना आवश्यक है।

Q2. Discuss the various benefits available to employees under the employees state insurance act 1948. It is necessary that employees claiming benefits must be insured?

प्र03. कारखाना अधिनियम 1948 के अन्तर्गत कर्मकारों के अच्छे स्वास्थ्य व सुरक्षा समबन्धी प्रावधानों को विस्तार से समझाइयें।

Q3. Discuss the provision to ensure the good health and safety of the workers under the factories act 1948.

प्र04. कटौती को परिभाषित कीजिए। मज़दूरी भुगतान अधिनियम 1936 के अन्तर्गत कौन सी कटौतीयॉ वैध व अवैध है?

Q4. Define the deduction which can be lawful and unlawful deduction under the payment wages act 1936?

प्र05. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(1) न्यूनतम व अधिकतम बोनस

(2) व्यस्कों के काम के घण्टे

Q5. Write short note on any two of them.

(1) Minimum and Maximum Bonus

(2) Working hours of adult (Factories Act 1948)

प्र06. न्यूनतम मज़दूरी अधिनियम 1948 के अन्तर्गत मज़दूरी की परिभाषा कीजिए। न्यूनतम उचित व जीवन निर्वाह मज़दूरी के सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए। इनके निर्धारण व पुनरीक्षण की प्रक्रिया के साथ इनके निर्धारण के कौन–कौन से प्रासंगिक व अप्रासंगिक विचार बिन्दु है? व्याख्या कीजिए।

Q6. Define wages under minimum wages act 1948. Explain the concept of minimum-fair and living wages with the procedure of its fixation and revision. What are the relevant and irrelevant considerations in fixation of wages? Explain it.

प्र07. नियोजक की परिसीमाओं के भावातमक प्रसार' का अर्थ बताइये। कर्मकार प्रतिकार अधि0 1923 के अधीन नियोजक को प्रतिकार के दायित्व से मुक्ति हेतु कौन से बचाव उपलब्ध है?

Q7. Explain the meaning of 'National extension of employer's premises'. What defences are provided to an employer for exemption from liability to pay compensation under the workmen's compensation act 1923?

प्र08. मज़दूरी भुगतान अधिनियम 1936 के अन्तर्गत मज़दूरी सम्बन्धी दावों की सुनवाई व निस्तारण के सम्बन्ध में अधिकारी द्वारा अपनायी जाने वाली प्रक्रिया व शक्ति का वर्णन कीजिए।

Q8. Discuss the power and procedure of authority regarding, hearing and disposal of claims relating to wages under the payment of wages act 1936.

प्र09. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(1) न्यूनतम व उचित मज़दूरी में अन्तर

(2) पूर्ण अपंगता व आंषिक अपंगता

(3) सामाजिक बीमा और सामाजिक सहायता

(4) बोनस के लिए अर्हता व अनहर्ता

Q9. Write short note on any two of them

(1) Difference between minimum and fair wages.

(2) Total disablement and total disablement

(3) Social Insurance and Social Assistance.

(4) Eligibility and Disqualification for bonus.

प्र010. किन्ही दो पर टिप्पणी लिखिए

(1) वयस्कों के काम के घण्टे

(2) कर्मकार प्रतिकार आयुक्त और कम्रचारी बीमा न्यायालय

Q10. Write a short note on any two of them

(1) Working hours of adults.

(2) Workman's compensation commissioner or Employees Insurance.

Home Assignment

B.A.LL.B. VIIIth Semester

LEGAL PROFESSIONAL COMMUNICATION SKILLS

Maximum Marks 10

Note: Attempt any five questions. All questions are long answer type.
Assignment will be submitted on the scheduled date which will be noticed later through the notice board.

Q.1. Explain the constitutional provisions regarding to the Official language to be used in the Supreme Court and High Courts.

Q. 2. What do you mean by legal language? Discuss the needs and importance of legal language in Advocacy.

Q. 3. "To be a successful advocate one must not only have mastery over law but also good interpersonal communication skills." In the light of this statement discuss the essentials of an effective communication.

Q. 4. What are the tools and techniques of facing Group Discussion (GD)

Q. 5. Prepare minutes of general annual meeting of XYZ Co. Ltd. held on 22/02/2017

Q. 6. What do you mean by cross examination? Which precautions are necessary to be taken when examining a witness?

Q. 7. 'Lawyers India' a leading law firm has invited application for the post of Legal Advisor. Design your CV with covering letter for seeking this job.

Q. 8. Discuss the fundamental principles of legal writing?

Q. 9. What do you mean by case-comment? Discuss the main points to be focused in writing case comment?

Q. 10. How to face an interview? Discuss.

MH (2018)

Home Assignment

B.A.LL.B. VIIIth & LL.B. IVth Semester

A.D.R. (Practical & Clinical)

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर करने अनिवार्य है

प्र0:1— माध्यस्थम तथा सुलह अधिनियम 1996 की कौन—कौन सी मुख्य विषेशताऐं है? विस्तार पूर्वक बताइऐं।

प्र0:2— माध्यथम से आप क्या समझतें हैं? इसके आवश्यक तत्वों का भी वर्णन कीजिए। तथा इसके प्रकारों पर भी रोषनी डालिए।

प्र0:3— माध्यस्थम की नियुक्ति कैसे की जाती है? तथा उसकी प्रक्रिया का संक्षेप में वर्णन करें।

प्र0:4— माध्यस्थम अधिकरणों की अधिकारिता सम्बन्धी प्रावधानों का संक्षेप में वर्णन करें।

प्र0:5— माध्यस्थम पंचाट क्या है? माध्यस्थम पंचाट के प्रारुप तथा उससे उल्लेखित अन्त वस्तुओं का उल्लेख कीजिए।

प्र0:6— माध्यस्थम करार से आप क्या समझतें हैं? इसके आवश्यक तत्वों को भी समझाइये।

प्र0:7— अन्तर्राष्ट्रीय वाणियज्यिक माध्यस्थम क्या है? विस्तार से समझाइऐ।

प्र0:8— जेनेवा अभिसमय पंचाट के अर्न्तगत विदेशी पंचाट को परिभाषित कीजिए। इसके आवश्यक तत्वों को भी बताइये। तथा कब यह बाध्यकारी होगा।

प्र0:9— माध्यस्थम एंव सुलह अधिनियम में सुलह को किस प्रकार परिभाषित किया गया है? सुलहकर्ता कैसे नियुक्त किया जाता है?

प्र0:10— समझौता करार क्या है? इसका क्या प्रभाव पड़ता है?

प्र0:11— वैकल्पिक विवाद समाधान क्या है? इसके लाभों को समझाइए। वैकल्पिक विवाद समाधान के तरीकों की विवेचना कीजिए।

प्र0:12— लोक अदालत क्या है? इसकी कार्य प्रणाली तथा महत्व को समझाइए।

प्र0:13— क्या माध्यस्थ के प्राधिकार को चुनौती दी जा सकती है? यदि हॉ तो किन आधारों पर?

प्र0:14— लोक अदालत की शक्ति और क्षेत्राधिकार को समझाइये।

प्र0:15— माध्यस्थम के कर्तव्य और उसके अधिकरों का वर्णन कीजिए।

प्र0:16— किन परिस्थितियों में माध्यस्थ द्वारा दिया गया आदेश समाप्त हो जाता है?

प्र0:17— क्या माध्यस्थम एंव सुलह अधिनियम 1996 के अर्न्तगत अपील तथा पुनरीक्षण किया जा सकता है? यदि हॉ तो कब और कैसे?

प्र0:18— माध्यस्थम अथवा सुलह से सम्बन्धित किसी एक वाद की तथ्यों सहित व्याख्या कीजिए।

प्र0:19— विधिक सहायता शिविर की एक रिपोर्ट तैयार कीजिऐ तथा उसमें आप को किन—किन समस्याओं का सामना करना पड़ा? समस्याओं के समाधान के लिए अपने सुझाव दीजिऐ।

प्र0:20— समस्त छात्र—छात्राऐं अपने निकटतम स्थित अदालत में आयोजित होने वाली लोक अदालत की प्रक्रिया से अवगत होकर प्रक्रिया का पूर्ण वर्णन अपनी प्रेक्टिकल डायरी में उल्लेखित करें।

नोटः— सभी छात्र—छात्राऐं प्रेक्टिकल डायरी अच्छी राइटिंग में पूर्ण रुप से तैयार करके दिनांक 30/04/2019 तक स्वंय उपस्थित होकर सम्बन्धित प्रवक्ता मौहम्मद तारिक साहब से मूल्यांकित कराऐं अन्यथा प्रेक्टिकल में 10 अंक काट लिये जाऐगें।